



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 9, 1996/पौष 19, 1917

No. 15]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 9, 1996/PAUSA 19, 1917

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1996

भा. का. नि. 18 (अ) :—केन्द्र सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) के दिनांक 1 जून, 92 की अधिसूचना मा. का. नि. 571 (अ) के तहत प्रकाशित तृतीकोरिन पत्तन मार्गदर्शन एवं अन्य सेवा (शुल्क) आदेश, 1992 का अधिक्रमण करते हुए—ऐसे अधिक्रमण से पहले किए गए अथवा किए जाने से रह गए कार्यों को छोड़कर, एवं द्वारा तृतीकोरिन पत्तन मार्गदर्शन एवं अन्य सेवाओं के लिए शुल्क लगाने के नियमन के लिए निम्न-लिखित आदेश बरती है, अर्थात् :—

आदेश

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ :—(1) इस आदेश का नाम तृतीकोरिन पत्तन मार्गदर्शन एवं अन्य सेवा (शुल्क) आदेश, 1995 होगा।

(2) यह आदेश सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

(2) परिभाषा :—(1) "पत्तन" का अर्थ तृतीकोरिन पत्तन क्षेत्र "क" से है।

(2) “तटीय जलयान” का आशय ऐसे पोत अथवा स्टीमर से है जिसे भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान से भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान के लिए समुद्री मार्ग से यात्रियों अथवा माल की ढुलाई में लगाया गया है।

(3) “विदेशी जलयान” का आशय ऐसे पोत अथवा स्टीमर से है जिसे भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान और अन्य पत्तन अथवा स्थान के बीच अथवा भारत से बाहर पत्तनों अथवा स्थानों के बीच व्यापार में लगाया गया है।

(4) “सकल पंजीकृत टन भार” का आशय :—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 में परिभाषित “टन” के अर्थ से है। इसी टन भार पर जलयानों पर मार्गदर्शन शुल्क प्रभारित किया जाता है। तटीय जलयानों के संबंध में डेक कार्गो को मार्गदर्शन शुल्क के निर्धारण से छूट दी जाएगी जबकि विदेशी जलयानों के संबंध में यदि डेक पर कार्गो ले जाया जाता है तो निर्धारण के प्रयोजन के लिए इसे शामिल किया जाएगा।

3. मार्गदर्शन, मूरिंग अथवा अंतर्मूरिंग आदि के लिए शुल्क :—(1) बंदरगाह में अथवा बंदरगाह से बाहर जलयान के मार्गदर्शन के लिए लगाया जाने वाला शुल्क जिसमें पत्तन के मार्गदर्शकों (पायलटों) की सेवाएं तथा कृष्युक्त टगों और लान्चेज की सेवाएं शामिल हैं, निम्नलिखित सूची में विनिर्दिष्ट दरों पर होंगी :

अनुसूची

जलयान का वर्गीकरण	तटीय जलयान रु.	प्रति जी आर टी दर		न्यूनतम
		विदेशी जलयान अमरीकी	डॉलर	
(1)	(2)	(3)	(4)	
(क) 3000 जी आर टी तक	3.85	0.27	10980/—	रु./
(ख) 3000 से अधिक और 10,000 जी आर टी तक	3.85	0.27	522.16	
(ग) 10,000 से अधिक और 15,000 जी आर टी तक	4.13		अमरीकी डॉलर प्रति	
		0.28	पोत	
(घ) 15,000 से अधिक और 20,000 जी आर टी तक	4.38	0.29		
(ङ) 20,000 से अधिक और 25,000 जी आर टी तक	4.55	0.30		
(च) 25,000 से अधिक और 30,000 जी आर टी तक	4.76	0.31		
(छ) 30,000 जी आर टी से अधिक	4.90	0.32		

(2) विदेशी जलयानों पर उपर्युक्त अनुसूची में अमरीकी डॉलर में विनिर्दिष्ट दरों पर मार्गदर्शन शुल्क प्रभारित किया जाएगा और उसकी समूची जलयान के पहुंचने की तारीख को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित बाजार खरीद विनिमय दर पर समतुल्य भारतीय रुपयों में की जाएगी।

(3) मरसय ट्रालरों के लिए न्यूनतम देय मार्गदर्शन प्रभार विदेशी जलयानों हेतु 81.25 अमरीकी डॉलर और तटीय जलयानों हेतु 1220/- रुपये होगा।

(4) बंदरगाह से बाहर किसी जलयान की मूरिंग के लिए जब वह न तो बंदरगाह में प्रवेश करता है अथवा न ही वहां से जाता है, उपर्युक्त अनुसूची के तहत देय प्रभारों के 25% के बराबर शुल्क लगाया जाएगा जो तटीय जलयानों के लिए न्यूनतम 3905 रु. तथा विदेशी जलयानों के लिए न्यूनतम 185.65 अमरीकी डॉलर होगा।

(5) ऐसे पायलटों के मामले में जिनकी सेवाएं मांगी गई हैं किन्तु सेवाओं का उपयोग नहीं किया गया है, निम्नलिखित प्रभार लगाए जाएंगे, अर्थात् :—

क्रम सं.	विवरण	देय प्रभार	
		विदेशी जलयान	तटीय जलयान
1.	ऐसे पायलटों जिनकी सेवाएं मांगी गई हैं किन्तु जलयान पर पायलट के पहुंचने के पश्चात् उसकी सेवाओं का उपयोग नहीं किया गया है।	49.35 अमरीकी डॉलर	695.00 रु.

नोट : —

(i) उपर्युक्त विनिर्दिष्ट दर पर प्रभार, जलयान के भीतरी और बाहरी मार्गदर्शन के लिए मांग-पद को निरस्त किए जाने के मामले में हो नहीं लगाया जाएगा, अतः जलयान की बर्थ को शिफ्ट करने के लिए और पुनः नौबद्ध करने अथवा जलयान को उसके बर्थ में मोड़ने अथवा भारी जिराई की स्थिति अथवा अन्य किसी कारण से उसी बर्थ पर किसी जलयान को पुनः नौबद्ध करने के लिए मांग-पदों को निरस्त करने के लिए भी लगाया जाएगा।

(ii) निम्नलिखित स्थितियों में उपर्युक्त प्रभार नहीं लगाए जाते हैं:—

(क) जलयान पर पायलट के पहुंचने के लिए निर्धारित समय से कम से कम एक घण्टा पहले निरस्तीकरण प्राप्त होता है।

(ख) आवश्यक परिस्थितियों में हुए निरस्तीकरण जिनका कारण जलयान का दोष नहीं होता।

6. विशेष प्रभार (विजयन शुल्क)

सूनाईकरण पत्तन पर किसी जहाज पर पहुंचने के बाद 30 मिनट से अधिक समय तक किसी पायलट को प्रतीक्षा में रखा जाता है तो पहले घंटे अथवा उनके भाग के लिए तटीय जलयान के मामले में 695/- रु. और विदेशी जलयान के मामले में 149.35 अमरीकी डॉलर का शुल्क लगाया जाएगा। बाद के प्रत्येक घंटे अथवा उसके भाग के लिए तटीय जलयानों के संबंध में 235/- रु. की दर से और विदेशी जलयानों के संबंध में 16.84 अमरीकी डॉलर की दर से विलम्ब शुल्क लगाया जाएगा।

7. पायलट को ले जाने के लिए शुल्क :

किसी अपरिहार्य कारण से यदि कोई जलयान किसी पायलट को पत्तन सीमा से बाहर ले जाता है तो मास्टर पायलट को अपने निरन्तर पत्तन पर छोड़ने के लिए बाध्य होगा तथा मास्टर, स्वामी अथवा उसका प्रतिनिधि देश प्रत्यावर्तन और उसकी सभी आवश्यकताओं के लिए जिम्मेदार होगा और निवास, भोजन, अन्य उचित व्यय के मामले में हुए संपूर्ण व्यय और पायलट के देश प्रत्यावर्तन में आने वाले संपूर्ण व्यय के भुगतान के लिए उत्तरदायी होगा। इसके अतिरिक्त जलयान का मास्टर पायलट द्वारा पत्तन पर ड्यूटी के लिए रिवॉर्ड किए जाने तक 125/- रु. (5.81 अमरीकी डॉलर) प्रति घंटे की दर से क्षतिपूर्ति का भुगतान करेगा।

8. “कोल्ड रूम” प्रदान आशित रूप से अथवा पूर्णतः जलयान की इंजन शक्ति के बगैर किसी जलयान के मार्गदर्शन के लिए किसी भी प्रचालन में मार्गदर्शन शुल्क दोगुनी दरों पर लगाया जाएगा।

9. किसी जलयान के लिए “प्राथमिकता के आधार पर बर्थ लगाने/बर्थ से हटाने” के मामले में “शिफ्टिंग इन” और “शिफ्टिंग आउट” के लिए प्रभार पायलट अधिनियम के अनुसार लागू दरों पर लगाया जाएगा।

10. सभी जलयानों से संबंधित परिगणित प्रभार 10/- रु. के अगले उच्च गुणक में पूर्णकृत कर दिया जाएगा।

11. कोई धन वापसी तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि वापस की जाने वाली धनराशि 100/- रु. अथवा उससे अधिक न हो।

[फा.सं. पी आर-14012/16/95-पी जी]

सी.एस. खैरवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th January, 1996

G.S.R. 18 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Port of Tuticorin Pilotage and other Services (Fees) order, 1992 published vide notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing),

G.S.R. No. 571 (E), dated the 1st June, 1992, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following Order for regulating the levy of fees for Pilotage and other services in the Port of Tuticorin, namely :

ORDER

(I) Short Title and Commencement :—

(i) This Order may be called the Port of Tuticorin Pilotage and other Services (Fees) Order, 1995

(ii) It shall come into force from the date of its publication, in the Official Gazette.

2. Definitions

(i) "Port" means Zone A of the Port of Tuticorin.

(ii) "Coasting Vessel" means a ship or a steamer which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or place in India to any other Port or place in India.

(iii) "Foreign Vessel" means a ship or steamer employed in trading between any Port or place in India and other Port or place or between Ports or places outside India.

(iv) "The Gross Registered Tonnage" shall have the meaning assigned to "ton" as defined in the Indian Ports Act, 1908. It is on this tonnage that vessels are charged Pilotage Fees. Deck cargo will be exempted from assessment of Pilotage dues in respect of Coasting Vessels, while it will be included for purposes of assessment when and if cargo is carried on deck in respect of Foreign Vessels.

3. Fees for Pilotage, Mooring or Unmooring etc.

(1) The fees leviable for pilotage vessels in and out of the Harbour which includes services of the Port's Pilots and the services of the tugs and launches with the crew, shall be at the rates specified in the Schedule below :—

SCHEDULE

Classification of vessel	Rate per GRT		Minimum
	Coasting vessels (Rs.)	Foreign vessels (US \$)	
(1)	(2)	(3)	(4)
(a) Upto 3000 GRT	3.85	0.27	Rs. 10980
(b) Above 3000 and upto 10000 GRT	3.85	0.27	\$ 522.16 per ship.
(c) Above 10000 and upto 15000 GRT	4.13	0.28	
(d) Above 15000 and upto 20000 GRT	4.38	0.29	
(e) Above 20000 and upto 25000 GRT	4.55	0.30	
(f) Above 25000 and upto 30000 GRT	4.76	0.31	
(g) Above 30000 GRT	4.90	0.32	

(2) Foreign Vessels shall be charged Pilotage fees at the rates specified in US \$ in the Schedule above and the same collected in equivalent Indian Rupees at the market buying exchange rate notified by RBI on the date of arrival of the vessel.

(3) For Fishing Trawlers, the minimum Pilotage charges payable shall be US \$ 81.25 for Foreign Vessels and Rs. 1220 for Coasting Vessels.

(4) For mooring a vessel outside the harbour when it does not enter or leave it, a fee equal to 25% of the charges payable under the above Schedule shall be levied subject to a minimum of Rs. 3905 for coasting vessels and US \$ 185.68 for Foreign Vessels.

(5) In the case of pilots whose services have been requisitioned but not utilised, the following charges shall be levied namely :

Sl. No.	Description	Charges Payable	
		Foreign Vessels	Coasting Vessels
1.	Pilot whose services have been requisitioned but not utilised after the pilot has boarded a vessel.	US £ 49.35	Rs. 695.00

Note :—

(i) The Charges at the rates specified above shall be levied not only in cases of cancellation of requisitions for inward and outward pilotage of vessels but also for the cancellation of requisitions for shifting of berth of vessels and remooing or for turning a vessel around in her berth or for remooing a vessel in the same berth due to position of heavy lifts or for any other reason.

(ii) The above charges are not laeviable in case of :

(a) Cancellations received at last one hour before the Pilot's appointed boarding time of the Vessel.

(b) Cancellations caused under exceptional circumstances for reasons that could not be attributed to the vessels faults.

6. Special Charges (Detention Fees) :

A fee of Rs. 695 in respect of Coasting Vessels and US £ 49.35 in respect of foreign vessels shall be levied for the first hour or part of an hour that a pilot is kept waiting on board any vessel at the Port of Tuticorin beyond 30 minutes after boarding such vessel. The detention fee for every subsequent hour or part thereof shall be levied at the rate of Rs. 235 in respect of coasting vessels and US £ 16.84 in respect of foreign vessels.

7. Fees for on Carriage of Pilot :

In the event of a vessel carrying a pilot outside the Port limits for unavoidable reasons the Master shall be bound to leave the Pilot at the next nearest Port and the Master, owner or his representative shall be responsible for the repatriation and all connected formalities thereof and be also liable to pay all expenses incurred in the matter of boarding, lodging, other reasonable expenses and the repatriation of the pilot thus over carried. In addition, compensation at the rate of Rs. 125/ US (\$ 5.81) per hour shall be payable by the Master of the vessel till the Pilot reports back to duty at the Port.

8. For piloting a vessel on "COLD MOVE" namely, without the power of the engine of the vessel, partly or fully, in any operation, pilotage fee shall be levied at double the rates.

9. In respect of "Priority Berthing/Ousting Priority" to any vessel, the Charges for "Shifting in" and "Shifting Out" shall be levied at the rate applicable to one pilotage act.

10. All vessel related charges worked out shall be rounded off to the next higher multiple of ten rupees.

11. No refund shall be made unless the amount refundable is Rs. 100 or more.

[F. No. PR-14012/16/95-PG]

C.S. KHAIRWAL, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1996

सा. का. नि. 19(अ):—केन्द्र सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार जल-मूल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की दिनांक 18 फरवरी, 1992 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 104(अ) का अधिक्रमण करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पहले किए गए अथवा किए जाने से रह गए कार्यों को छोड़कर, एतद्द्वारा यह निदेश देती है कि इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के अगले दिन से इसके साथ संलग्न "अनुसूची" के कालम (1) में

यथा उल्लिखित, जूतीकोरिंग पत्तन की पत्तन सीमाओं में प्रवेश करने वाले प्रत्येक जलयान पर क्रमशः कालम (2) और (3) की समतलवर्ती प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दरों तथा उक्त अनुसूची के कालम (4) की समतलवर्ती प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट समयान्तरालों पर शुल्क लगाया जाएगा।

अनुसूची —पत्तन शुल्क

प्रभार्य जलयान (15 टन और उत्तम अधिक के समुद्रगामी जलयान)	पत्तन शुल्क की प्रति जीआर टी दर, रुपयों में	पत्तन शुल्क की प्रति जीआर टी दर अमरीकी डालर में	उसी जलयान के संबंध में भुगतान की बारंबारता
1	2	3	4
विदेशी जलयान :	---	0.18	यह शुल्क पत्तन में प्रत्येक बार प्रवेश करने पर देय है।
(1) जलपोत/स्टीमर	---	0.09	यह शुल्क पत्तन में प्रत्येक बार प्रवेश करने पर देय है।
(2) पालपोत	---	---	---
2. तटीय जलयान :			
(1) पोत/स्टीमर	1.99	---	यह शुल्क साठ दिनों में एक बार देय है वशर्ते शुल्क का एक बार किया गया भुग- तान उक्त साठ दिनों की अवधि में पत्तन में केवल तीन बार प्रवेश (उक्त प्रवेश सहित जिस पर भुगतान किया गया था) के लिए वैध होगी।
(2) पालपोत	0.51	---	पत्तन पर शुल्क के भुगतान से 60 दिनों की अवधि के लिए जलयान को पुनः शुल्क का भुगतान करने से छूट मिलेगी।

परिभाषाएं :

1. “तटीय जलयान” का आशय ऐसे पोत/स्टीमर से है जिसे विशेष रूप से भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान अथवा भारत के किसी अन्य पत्तन अथवा स्थान के मध्य व्यापार के लिए तैनात किया गया है।
2. “विदेशी जलयान” का आशय ऐसे पोत/स्टीमर से है जो तटीय पोत/स्टीमर नहीं है।
3. “सकल पंजीकृत टनभार” का आशय, समय-समय पर यथा-संशोधित भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 में परिभाषित “टन” के अर्थ से है।

नोट:—

(क) सभी जलयानों पर पत्तन शुल्क उनके “सकल पंजीकृत टनभार” पर प्रभारित किया जाएगा। तटीय जलयानों के संबंध में डैक कार्गो को पत्तन शुल्क के मूल्यांकन से छूट दी जाएगी किन्तु जब भी विदेशी जलयानों के संबंध में कार्गो को डैक पर ले जाया जाएगा, मूल्यांकन के उद्देश्य से इसे शामिल किया जाएगा।

(ख) विदेशी जलयानों पर पत्तन शुल्क अमरीकी डालरों में अतिरिक्त दरों पर प्रभारित किया जाएगा और उसकी वसूली, जलयान के आने की तारीख को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिशुचित बाजार खरीद विनियम दर पर समतुल्य भारतीय रुपयों में की जाएगी।

गर्भः—

1. तृतीकोरित पत्तन की सीमा में क्षेत्र क और क्षेत्र ख दोनों सम्मिलित हैं ।

2. आधा टन अथवा उससे अधिक के भार को एक टन माना जाएगा तथा आधा टन से कम भार को छोड़ दिया जाएगा ।

3. तटीय जलयानों के संबंध में छूट अवधि की समाप्ति की गणना में भुगतान दिवस की गणना 60 दिनों में से एक दिन के तौर पर की जानी चाहिए तथा प्रवेश दिवस की गणना भुगतान दिवस के रूप में की जानी चाहिए चाहे शुल्क का भुगतान वास्तव में प्रवेश के दिन किया जाए अथवा उसके बाद, तथा यह तारीख जिस पर शुल्क देयता आधारित है, वह तारीख है जब जलयान पत्तन की जैवोलिक सीमाओं से गुजरता है ।

4. निम्नलिखित स्थितियों में पत्तन शुल्क नहीं लगाया जाएगा,

(i) 15 टन से कम के जलयानों पर,

(ii) भारत के दूसरे पत्तनों के जलयानों पर,

(iii) आनंद-प्रमोद नौका पर,

(iv) ऐसे किसी जलयान पर जो पत्तन छोड़ चुका है, मोसम के दबाव अथवा किसी क्षति के परिणामस्वरूप पुनः प्रवेश करने के लिए विवश है, अथवा,

(v) किसी ऐसे जलयान पर जो प्रवेश करने के 48 घंटों के अन्दर किसी यात्री अथवा कार्गो की उतराई अथवा लदाई के बगैर पत्तन छोड़ता है ।

5. पत्तन शुल्क लगाने के प्रयोजन के लिए किसी जलयान को एक ही यात्रा के दौरान एक तटीय पोत तथा स्टीमर और विदेशी पोत अथवा स्टीमर दोनों नहीं माना जाएगा परन्तु ऐसी यात्रा के संबंध में ऐसे जलयानों पर पत्तन शुल्क या तो तटीय अथवा विदेशी पोत अथवा स्टीमर मानकर इसमें से जो भी दर अधिक हो लगाया जाएगा ।

6. (क) पत्तन में प्रवेश करने वाले किन्तु पत्तन पर कोई कार्गो अथवा यात्री न उतारने अथवा न लेने वाले जलयानों (मरम्मत के प्रयोजन के लिए यथा आवश्यक उतराई/पुनः लदाई के विकल्प के साथ) तथा अपने उपयोग के लिए खाद्य-सामग्री, जल, बकर कोयला अथवा तरल ईंधन लेने वाले जलयानों पर अन्यथा प्रभारित किए जाने वाले पत्तन शुल्क का आधा शुल्क प्रभारित किया जाएगा ।

(ख) पत्तन में भार रहित प्रवेश करने वाले तथा यात्री न ले जा रहे जलयानों पर अन्यथा प्रभारित पत्तन शुल्क का तीन-चौथाई पत्तन शुल्क प्रभारित किया जाएगा ।

7. तटीय जलयानों पर जो उपर्युक्त 6(क) के तहत आधे पत्तन शुल्क का भुगतान करने के पश्चात् छूट अवधि में कार्गो अथवा यात्रियों के साथ अथवा भार रहित पुनः प्रवेश करते हैं, अंतर को प्रभारित किया जाएगा अर्थात् पहले भुगतान किया गया आधा शुल्क समायोजित कर लिया जाएगा ।

8. कोई तटीय जलयान जो उपर्युक्त 6(ख) के तहत पत्तन शुल्क के तीन-चौथाई का भुगतान करने के पश्चात् छूट अवधि में कार्गो अथवा यात्रियों के साथ अथवा भार रहित पुनः प्रवेश करता है उस पर अंतर को प्रभारित किया जाएगा अर्थात् पहले भुगतान किए गए का एक चौथाई प्रभारित किया जाएगा ।

9. तृतीकोरित पत्तन की सीमाओं के बारे में किसी जलयान की स्थिति से संबंधित किसी विवाद की स्थिति में इसका निर्णय उप-संरक्षक अथवा इसके लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा किया जाएगा ।

10. सभी जलयानों से संबंधित परिगणित प्रभार 10 रुपए के अगले उच्च गुणक में पूर्णांकित कर दिया जाएगा ।

11. धनराशि तब तक वापस नहीं की जाएगी जब तक कि वापस की जाने वाली धनराशि सौ रुपए अथवा उससे अधिक न हो ।

[फा. सं. पी आर—14012/16/95—पी जी]

सी. एस. खैरवाल, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th January, 1996

G.S.R. 19(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33 read with Section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing), GSR No. 104(E), dated the 18th February, 1992 such except as respects thing done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby directs that from the day following the expiration of thirty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on each of the vessels entering the limits of the Port of Tuticorin as described in column (1) of the 'Schedule' hereto annexed, at the rates specified in the Corresponding entry in column (2) and (3) respectively and at the intervals specified in the corresponding entry in column (4) of the said Schedule.

SCHEDULE—PORT DUES

Vessels Chargeable (seagoing vessels of 15 tonnes and upwards)	Rate of port Dues per GRT in Rupees.	Rate of port Dues per GRT in US \$.	Frequency of payment in respect of the same vessel
1	2	3	4
1. Foreign Vessels :			
(1) Ships/Steamers.	---	0.18	The due is payable on each entry into the Port.
(2) sailing Vessel.		0.09	-do-
2. Coasting Vessels :—			
(1) Ships/Steamers.	1.99	—	The due is payable once in sixty days provided the payment of the dues once made shall be valid only for 3 entries into the Port (Including the entry on which the payment was made) during the said period of 60 days.
(2) Sailing Vessels.	0.51	—	The payment of the due at the Port will exempt the vessel for a period of sixty days from the liability to pay the due again.

DEFINITIONS:

1. "Coasting Vessel" means a ship/steamer exclusively employed in trading between any Port or place in India or any other Port or Place of India.

2. "Foreign Vessel" means a ship/steamer not being a Coasting ship/steamer.

3. "The Gross Registered Tonnage" shall have the meaning assigned to "ton" as defined in the Indian Ports Act, 1908, as amended from time to time.

NOTE :

(a) All vessels shall be charged Port dues on their "Gross Registered Tonnage". Deck cargo shall be exempted from assessment of Port dues in respect of coasting vessels, while it shall be included for purposes of assessment when and if cargo is carried on deck in respect of foreign vessels.

(b) The Foreign Vessels shall be charged Port dues at the rates notified in US \$ and the same collected in equivalent Indian Rupees at the Market Buying Exchange rate notified by RBI on the date of arrival of the vessel.

TERMS AND CONDITIONS

1. The limit of the Port of Tuticorin includes and covers both Zone A and Zone B.
2. Fraction of half a tonne and above shall be counted as one tonne and less than half a tonne ignored.
3. In calculating the expiration of the period of exemption in respect of Coasting Vessels, the day of payment should be reckoned as one of the 60 days, and the day of entry should be reckoned as the day of payment, whether the dues are actually paid on the day of entry or subsequently, and the date on which the liability to dues is based is that date on which the vessel passes the geographical limits of the Port.
4. Port dues shall not be levied on :
 - (i) Vessels of Less than 15 tonnes;
 - (ii) Vessels belonging to other Indian Ports;
 - (iii) any pleasure yachts;
 - (iv) any vessel which, having left this Port is compelled to re-enter it by stress of weather or in consequence of having sustained any damage; or
 - (v) any vessel which, having entered and leaves it within 48 hours without discharge or loading of any passenger or cargo.
5. For the purpose of the levy of Port dues, a vessel shall not be deemed during "one and the same voyage to be both a coasting ship or steamer and a foreign ship or steamer, but port dues shall, in respect of such voyage, be leviable on such vessel either as a coasting or a foreign ship or steamer, whichever rate is higher.
6. (a) Vessels entering the Port, but not discharging or taking in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment/reshipment as may be necessary for purposes of repair), and also vessels taking in only provisions, water, bunker coal or liquid fuel for their consumption, shall be charged with half of the Port dues with which she would otherwise be chargeable.
 (b) Vessels entering the Port in ballast and not carrying passengers shall be charged with Port Dues at three fourths of the Port Dues with which she would otherwise be chargeable.
7. Coasting vessel, which, after paying half of Port dues under 6 (a) above, re-enters the Port within the period of exemption with Cargo or passengers or in ballast shall be charged the difference, viz, the half previously conceded.
8. A Coasting vessel which after paying three fourths of Port Dues under 6(b) above, re-enters the Port within the period of exemption with cargo or passengers or in ballast shall be charged the difference viz, one fourth port dues previously conceded.
9. In the event of any dispute regarding the position of a vessel as to the limits of the Port of Tuticorin, it shall be decided by the Deputy Conservator or by the Officers authorised in this behalf.
10. All Vessel related charges worked out shall be rounded off to the next higher multiple of ten rupees.
11. No refund shall be made unless the amount refundable is Rs. 100 or more.

[F.No. PR-14012/16/95-PG]
 C.S. KHAIRWAL, Jt. Secy.

